डिजिटल टैक्स चुनौती पर देशों को चेतावनी

सीतारमण बोलीं—टैक्स पारदर्शिता अब अनिवार्य

साइबर जोखिमों पर अब वैश्विक एकजुटता ज़रूरी

नई दिल्ली, 03 दिसंबर. डिजिटल अर्थव्यवस्था जिस तेजी से दुनिया को बदल रही है, उसी रफ्तार से टैक्स सिस्टम पर नए दबाव भी बढ़ रहे हैं. नई तकनीकें, वैश्विक वित्तीय उत्पाद और सीमा रहित ऑनलाइन लेनदेन—ये सभी देशों के लिए ऐसी चुनौती बन गए हैं जिन्हें अकेले सुलझाना अब संभव नहीं.

इसी कड़ी में नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल फोरम ऑन ट्रांसपेरेंसी एंड एक्सचेंज ऑफ इन्फॉर्मेशन फॉर टैक्स पर्पजेज की 18वीं बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक समुदाय को एक स्पष्ट संदेश दिया—डिजिटलाइजेशन, साइबर सुरक्षा और प्राइवेसी की चुनौतियां सामूहिक प्रयास से ही हल होंगी. सीतारमण ने कहा कि टैक्स पारदर्शिता उभरती अर्थ व्यवस्थाओं के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह है, क्योंकि स्वास्थ्य, शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक कल्याण योजनाओं की नींव घरेलू संसाधनों पर ही टिकी होती है.

सीतारमण ने कहा कि टैक्स चोरी सिर्फ राजस्व की हानि नहीं, बल्कि विकास के अवसरों का भी नुकसान करती है. उभरती अर्थव्यवस्थाओं में यह असर और अधिक दिखाई देता है, जहाँ बुनियादी सेवाओं की आपूर्ति सीधे घरेलू संसाधनों पर निर्भर करती है. उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले वर्षों में टैक्स कंप्लायंस में उल्लेखनीय सुधार देखा है, जिसका श्रेय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, सरलता और सबसे बढ़कर—सरकार और करदाताओं के बीच बढ़ते भरोसे को जाता है. उन्होंने जोर दिया, जब नागरिकों को भरोसा होता है कि उन्हें ईमानदारी का लाभ मिलेगा और टैक्स चोरी पर सख्त कार्रवाई होगी, तो वे स्वेच्छा से कंप्लायंस बढ़ाते हैं.

अगर राष्ट्रीय संपत्ति टैक्स नेट में नहीं आएगी, तो न सिर्फ राजस्व घटेगा बल्कि विकास की रफ्तार भी रुकेगी. उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत अंतरराष्ट्रीय टैक्स सूचना आदान-प्रदान मानकों का पालन करने में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है और आधुनिक तकनीक व एआई के माध्यम से टैक्स प्रशासन को लगातार मजबूत किया जा रहा है. ग्लोबलाइजेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के तेज दौर में टैक्स प्रशासन की भूमिका पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है.

चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बैठक के उद्घाटन के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि दुनिया आज ऐसे बिंदु पर खड़ी है, जहां सीमा-पार वित्तीय गतिविधियाँ, डिजिटल पेमेंट्स और वर्चुअल निवेश पैटर्न पारंपरिक टैक्स ढांचे को चुनौती दे रहे हैं.

रुपया 90 .30 प्रति डॉलर के नये निचले स्तर पर

मुंबई, 03 दिसंबर. रुपये में बुधवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट रही और यह 90.30 रुपये प्रति डॉलर के नये निचले स्तर तक गिर गया. भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 43.50 पैसे गिरकर 89.9650 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया आज 89.96 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर खुला और 89.93 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ. दोपहर के समय यह 90.30 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया था. शाम 4.30 बजे भारतीय मुद्रा 22.75 पैसे नीचे 90.1925 प्रति डॉलर पर थी. बाजार में अभी कारोबार जारी है. विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार से पैसा निकालने से रुपये पर दबाव रहा. इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी रुपया कमजोर हुआ.

ईसीओआर माल ढुलाई में अग्रणी

ट्रैफिक हैंडलिंग में 209 लाख टन का शानदार आंकड़ा हासिल किया

भुवनेश्वर, 03 दिसंबर. पूर्वी तटीय रेलवे (ईसीओआर) के खुर्दा रोड डिवीजन ने एक बार फिर अपनी अब तक की सबसे अच्छी लोडिंग क्षमता हासिल करते हुए रेलवे में माल ढुलाई में बेहतर प्रदर्शन करने वाले डिवीजन के तौर पर जगह बनायी है. यह डिवीजन लगातार रिकॉर्ड तोड़ नतीजे दे रही है, जो देश के माल ढुलाई और आर्थिक विकास में इसकी अहम भूमिका को दिखाता है.

ईसीओआर के अधिकारियों ने कहा कि खुर्दा रोड डिवीजन कुल ट्रैफिक हैंडलिंग में देश में सबसे आगे है. नवंबर 2025 तक इसने 209 लाख टन का शानदार आंकड़ा हासिल किया है, जिसमें 115 लाख टन लोडिंग और 94 लाख टन उतराव शामिल है.बिलासपुर डिवीजन 169.6 लाख टन के साथ दूसरे स्थान पर रहा, उसके बाद धनबाद डिवीजन (152.8 लाख टन) और चक्रधरपुर डिवीजन (145.8 लाख टन) रहे.

डिवीजन ने सिर्फ 235 दिनों में (21.11.2025 तक) 200 लाख टन सामान को प्रबंधित कर एक नया नेशनल बेंचमार्क बनाया है. यह भारतीय रेलवे में अब तक की सबसे तेज कामयाबी है, जिसने 2024-25 में 250 दिनों के अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है.

रुपये में गिरावट से कारोबार में लुढ़के शेयर बाजार

12 .37 अंक पर गिरा सेंसेक्स

27 .30 अंक पर लुढ़का निफ्टी

मुंबई, 03 दिसंबर. रुपये में ऐतिहासिक गिरावट से बुधवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही. सेंसेक्स 12.37 अंक की बढ़त में 85,150.64 अंक पर खुलने के बाद लाल निशान में चला गया.

खबर लिखे जाते समय यह 248.67 अंक (0.29 प्रतिशत) नीचे 84,889.60 अंक पर था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 27.30 अंक गिरकर 26,004.90 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह 90.50 अंक यानी 0.35 प्रतिशत लुढ़ककर 25,941.70 अंक पर था. रुपये में ऐतिहासिक गिरावट से शेयर बाजार पर दबाव है. भारतीय मुद्रा आज सुबह 90.15 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक टूट गयी और फिलहाल 90.0950 रुपये प्रति डॉलर पर है. शेयर बजारों में आईटी को छोड़कर सभी सेक्टरों में बिकवाली हावी रही.

कोकिलाबेन हॉस्पिटल ने हासिल की वैश्विक उपलब्धि

मुंबई, 03 नवबंर. कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने हासिल की महत्वपूर्ण वैश्विक उपलब्धि; गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ पर्यावरणीय और सामाजिक जिम्मेदारी का नया मानक स्थापित किया-यह अस्पताल हेल्थकेयर सस्टेनेबिलिटी के लिए ज्वाइंट कमीशन इंटरनेशनल द्वारा विशेष मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का पहला और विश्व का पांचवां अस्पताल बन गया है.

इस सर्टिफिकेशन ने यह स्थापित कर दिया है कि मुंबई का यह अस्पताल न केवल सामान्य संचालन में मजबूत और लचीला है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित जोखिमों के प्रबंधन के लिए भी विश्व स्तर के मानकों का पालन करता है, जिससे वह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान बन गया है.

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक, डॉ. संतोष शेट्टी ने वित्तीय और रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला, यह सर्टिफिकेशन हमारे मूल विश्वास को दर्शाता है कि स्थिरता बेहतर क्लिनिकल परिणामों और मजबूत संचालन प्रदर्शन दोनों को संभव बनाती है. हमारा 2030 सस्टेनेबिलिटी रोडमैप (कार्ययोजना) ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन, कम उत्सर्जन के लिए काम आने वाली सामग्रियों और जलवायु-प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है. ये निवेश लंबी अवधि के लागत दबावों को कम करने, मरीज की सुरक्षा में सुधार करने और बढ़ते जलवायु अस्थिरता का सामना कर रहे शहर में व्यावसायिक निरंतरता को मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए हैं.

मुंबई, नवंबर 2025= कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट ने घोषणा की है कि उनके मुंबई के अस्पताल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जॉइंट कमीशन इंटरनेशनल ने इंटरनेशनल हॉस्पिटल फेडरेशन के जिनेवा सस्टेनेबिलिटी सेंटर के साथ साझेदारी में हेल्थकेयर सस्टेनेबिलिटी प्रोग्राम के लिए सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया है. यह प्रतिष्ठित और मूल्यवान सम्मान प्राप्त करके, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इस कठोर वैश्विक मानक को पूरा करने वाला भारत का पहला और विश्व का पांचवां अस्पताल बन गया है. यह उपलब्धि अस्पताल की स्थिरता पहलों और पर्यावरण-अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

पीएचडी की स्वर्ण कंसन्ट्रेट पर आयात शुल्क की सिफारिश

नई दिल्ली, 3 दिसंबर. पीएचडी वाणिज्य एवं उद्योगमंडल (पीएचडीसीसीआई) ने स्वर्ण अयस्क कंसन्ट्रेट (एचएसएन 26169010) पर आयात शुल्क शून्य किये जाने और घरेलू सोना प्रसंस्करण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना शुरू करने की सिफारिश की है.

पीएचडीसीसीआई ने बुधवार को कहा कि स्वर्ण परिशोधन क्षेत्र की पीएलआई योजना से देश में सोने की उत्पादन क्षमता का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और इस क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी. पीएचडी की यह सिफारिश ऐसे परिप्रेक्ष में है जबकि भारत का सोना उद्योग खपत के मामले में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है. भारत में सोने की अधिकांश मांग आयात के माध्यम से पूरी होती है. पीएचडीसीसीआई ने वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 2024 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि देश में 2024 में सोने की मांग में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई. इसका एक कारण आयात शुल्क में कमी भी थी.

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने एक बयान में कहा कि भारत में 2025 के लिए सोने की मांग की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं और अगले तीन वर्षों के दौरान देश की सोने के की मांग 700 से 800 टन वार्षिक के बीच रहने की उम्मीद है.

शुल्क को व्यावहारिक बनाये जाने की सिफारिश की

श्री जुनेजा ने यह भी कहा कि इस समय देश में जहां तांबे के अयस्क कंसन्ट्रेट के आयात पर शुल्क शून्य है और इसके उप-उत्पाद के रूप में सालाना लगभग 12 टन सोने की प्राप्ति होती है, वहीं सोने के अयस्क कंसन्ट्रेट पर शुल्क अब भी 2 .5 प्रतिशत की दर के साथ ऊंचा रखा गया है. उन्होंने कहा, देश में स्वर्ण परिशोधन उद्योग के प्रोत्साहन के लिए इस पर शुल्क को व्यावहारिक बनाये जाने की सिफारिश की है. उनकी राय में सोने पर आयात शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर 2014-25 के बजट में 6 प्रतिशत करने से सोने का सीधे आयात घरेलू रिफाइनिंग की तुलना में कहीं अधिक आकर्षक हो गए हैं.

एनबीसीसी और जीडीए के बीच समझौता

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन आने वाली नवरत्न सीपीएसई

नई दिल्ली,03 नवबंर. एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने तुलसी निकेतन स्कीम एरिया के 642.82 करोड़ रुपये के पुनर्विकास हेतु गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौता ज्ञापन पर श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, जीडीए और प्रदीप शर्मा, कार्यपालक निदेशक (इंजी.) एवं आरबीजी-प्रमुख, व्यापार प्रसार प्रभाग, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। यह गाजियाबाद में आधुनिक, संधारणीय शहरी रूपांतरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 78,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में विस्तारित तुलसी निकेतन स्कीम एरिया जिसमें लगभग 2300 आवासीय इकाइयाँ एवं 64 दुकानें हैं, का स्व-संधारणीय मॉडल के आधार पर पूरी तरह से पुनर्विकास किया जाएगा। इस क्षेत्र के कुछ भाग का व्यावसायिक रूप से उपयोग करके इस पुनर्विकास को वित्तपोषित करने का प्रस्ताव है।

देश का जिओ-स्टेशनरी बाजार 2030 तक 1 .06 करोड़ : कांत

नयी दिल्ली, 03 दिसंबर. नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि देश का जिओ-स्टेशनरी बाजार साल 2030 तक दोगुना होकर 1.06 लाख करोड़ रुपये का हो जायेगा. वर्तमान में इसका आकार लगभग 50,000 करोड़ रुपये का है.

कांत ने यहां भारत मंडपम में आयोजित जियोस्मार्ट वर्ल्ड सम्मेलन एवं प्रदर्शनी, 2025 के दूसरे दिन अपने संबोधन में देश के जिओ-स्टेशनरी एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में हुए तीव्र तथा परिवर्तनकारी बदलावों को रेखांकित किया.

उन्होंने कहा कि भारत की यह यात्रा तेजी से विकसित हुई है और इसने देश के विकास, संसाधन प्रबंधन और नीति-निर्माण के तरीकों को नये सिरे से परिभाषित किया है. उन्होंने कहा कि देश का जिओ स्टेशनरी बाजार साल 2030 तक दोगुना होकर 1.06 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है.

समाचार विशेष

पटेल के बेटे की ललकार से कांग्रेस में हड़कंप

दिल्ली से गुजरात तक कांग्रेस नेतृत्व की चिंताएं बढ़ीं

अहमदाबाद. कांग्रेस के चाणक्य कहे जाने वाले दिवंगत नेता अहमद पटेल के परिवार में सियासी घमासान छिड़ गया है. उनके बेटे फैसल पटेल ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा बम फोड़ा है, जिससे पूरी पार्टी में खलबली मच गई है. फैसल ने सार्वजनिक रूप से ऐलान किया कि वह कांग्रेस को तोड़कर एक अलग गुट बनाने की योजना बना रहे हैं.

इस सियासी ड्रामे में उस वक्त नया मोड़ आ गया जब उन्होंने दावा किया कि उनकी बहन मुमताज भी उनके साथ आ सकती हैं, जिसने राजनीतिक पंडितों को भी चौंका दिया है. फैसल पटेल का यह बयान ऐसे बेहद नाजुक समय में आया है जब कांग्रेस पार्टी पहले से ही कर्नाटक में चल रही आंतरिक कलह और बिहार में मिली करारी चुनावी हार के जख्मों से जूझ रही है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उनके पोस्ट के स्क्रीनशॉट में फैसल ने साफ लिखा कि वह 'कांग्रेस (AP)' नाम से एक नया ग्रुप बनाना चाहते हैं. अहमद पटेल ताउम्र गांधी परिवार के वफादार और पार्टी के संकटमोचक रहे, ऐसे में उनके ही बेटे द्वारा पार्टी तोड़ने की बात करना सियासी गलियारों में तूफान ला रहा है. बता दें बिहार में कांग्रेस की मिली करारी हार के बाद से कांग्रेसे पर तमाम तरह के सवालिया निशान खड़े किए जा रहे है और इसके साथ ही पीएम मोदी ने बिहार में मिली ह्रष्ठ को प्रचंड जीत के बाद से पार्टी कार्यालय से कांग्रेस में एक और कांग्रेस बनने और तमाम तरह की गुटबाजियों की बात की थी जो कि अब पीएम की यह भविष्यवाणी सच साबित होती दिख रही है.

फैसल ने जैसे ही अपनी बहन मुमताज पटेल को इस नए ग्रुप में शामिल करने का जिक्र किया, मुमताज ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया और भाई के दावों की हवा निकाल दी. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आकर तुरंत सफाई दी और कहा कि उनका किसी भी नई राजनीतिक पार्टी या ग्रुप में शामिल होने का रत्ती भर भी इरादा नहीं है.

विरासत पर छिड़ी नई सियासी जंग

अहमद पटेल का परिवार दशकों से कांग्रेस की मजबूती का प्रतीक रहा है. पिता के निधन के बाद फैसल और मुमताज दोनों ही पार्टी गतिविधियों से जुड़े रहे, लेकिन फैसल के हालिया पोस्ट ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अब परिवार के भीतर ही पार्टी को लेकर गंभीर मतभेद पैदा हो गए हैं. मुमताज ने भले ही भाई के बयान से पल्ला झाड़ लिया हो, लेकिन फैसल के 'कांग्रेस (क्क)' बनाने के विचार ने दिल्ली से लेकर गुजरात तक कांग्रेस नेतृत्व की चिंताएं बढ़ा दी हैं. अब देखना होगा कि पार्टी इस आंतरिक चुनौती से कैसे निपटती है.

एक नया लक्ष्य पीएम ने तय किया

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले कुछ समय से गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलाने की बात कर रहे हैं लेकिन अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के संबोधन में इसका जिक्र करना बहुत अहम है. वहां प्रधानमंत्री ने सिर्फ गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने की बात नहीं कही, बल्कि याद दिलाया कि अंग्रेजी राज में मैकाले ने एक सिस्टम बनाया, जिसके असर में देश मानसिक रूप से गुलाम होता गया.

उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने गुलामी के प्रतीकों, कानूनों को हटना शुरू किया है और लोगों की मानसिकता बदलने का गंभीर प्रयास किया है.

इसके साथ ही उन्होंने एक नया लक्ष्य भी तय किया. उन्होंने बताया कि 190 साल पहले यानी 1835 में मैकाले ने गुलामी की मानसिकता के बोज रोपे थे. प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 साल में उस 'अपवित्र घटना' के दो सौ साल पूरे हो रहे हैं. उससे पहले भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना है. उन्होंने पहले से 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है और अब उसी में 2035 तक भारत को मैकाले मॉडल से हटा कर गुलामी की मानसिकता मिटाने का लक्ष्य भी तय किया है. वैसे भी लक्ष्य तय करने में क्या दिक्कत है!

जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव का बजा बिगुल

तारीखों की घोषणा, बैलेट पेपर से मतदान

चंडीगढ़. पंजाब में एक बार फिर से चुनाव का बिगुल बज गया है. राज्य में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव की घोषणा हो गई है. 14 दिसंबर को जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव के लिए मतदान होगा और 17 को मतगणना होगी.

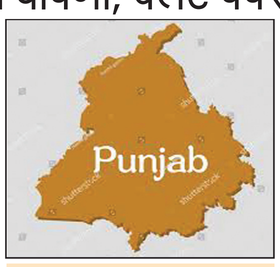

स्टेट इलेक्शन कमिश्नर राज कमल चौधरी ने शुक्रवार दोपहर बाद चुनावों की घोषणा की है. 4 दिसंबर तक नामांकन होंगे. खास बात यह है कि बैलेट पेपर का ही इस्तेमाल होगा. वहीं चुनाव में 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व होंगी. 5 दिसंबर को सभी नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी. 6 दिसंबर को नामांकन वापस लिए जा सकेंगे. 6 दिसंबर को ही चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे. चुनावों के लिए सूबे में 1 करोड़ 36 लाख 4650 मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे. मतदान वाले दिन सुबह 8ः00 बजे शुरू शाम 4ः00 तक वोटिंग होगी. इसके अवाला नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करवाई जाएगी. 3528 संवेदनशील और 915 अति संवेदनशील क्षेत्र घोषित किए गए हैं. 96000 कर्मचारियों और 50,000 पुलिस जवानों को चुनावी ड्यूटी पर लगाया जाएगा. 21 साल से कम उम्र के लोग चुनाव नहीं लड़ सकेंगे. प्रत्याशी की उम्र 21 साल से ज्यादा होनी चाहिए.

खास बात यह है कि चुनाव ईवीएम से नहीं बैलेट पेपर से होंगे. पंचायत समिति के लिए सफेद रंग का और जिला परिषद के लिए पीले रंग का बैलेट पेपर होगा. जिला परिषद का प्रत्याशी 255000 और पंचायत समिति का प्रत्याशी 110000 चुनावी खर्च कर सकेगा. पंजाब के ग्रामीण क्षेत्र के लिए तत्काल प्रभाव से आचार संहिता लागू हो गई है.

विशेष | **बीजेडी के वरिष्ठ नेता देबाशीष सामंतराय क्यों नाराज?**

ओडिशा की राजनीति में भूचाल

भुवनेश्वर. 2024 की दोहरी चुनावी हार के बाद बीजेडी लगातार टूट रही है. देवाशीष सामंतराय समेत कई नेता पार्टी नेतृत्व से नाराज हैं और पद ठुकरा रहे हैं. वीके पांडियन पर भी आरोप लग रहे हैं. कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं और माना जा रहा है कि सामंतराय भी जल्द बीजेपी ज्वाइन कर सकते हैं.

2024 में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव हारने का ये अंजाम होगा. ये नवीन पटनायक ने कभी सोचा नहीं होगा. पिता बीजू पटनायक की राजनीतिक विरासत लेकर राजनीति करने वाले नवीन पटनायक करीब 25 साल में कभी कोई चुनाव नहीं हारे.

2024 के चुनावों में एक साथ दो-दो चुनावों का हार का स्वाद चखा तो जैसे जीभ जल गई. सत्ता भी गई और बरसों से जमी-जमाई पार्टी बीजेडी धीरे-धीरे रोज टूट रही है. मुश्किल से खुद चल-फिर पाने वाले नवीन पटनायक के लिए मुश्किल हो रहा पार्टी को बचाए रखना क्योंकि उनके बाद या उनके साथ पार्टी चलाने के लिए कोई मजबूत हाथ नहीं है. राजनीति में बहुत चर्चा है कि देबाशीष के बीजेडी में गिने चुने दिन रह गए हैं. नवीन पटनायक और पार्टी चलाने वालों से इतने नाराज हैं कि आए दिन बगावत का बम फोड़ रहे हैं. हाल में देबाशीष सामंतराय के लिए पार्टी में नया पद सीनियर सिटिजन सेल के वाइस प्रेसीडेंट बनाया गया. देबाशीष इतने नाराज हुए कि पार्टी का पद स्वीकार ने से मना कर दिया. कहा कि समझ में नहीं आता कि पॉलिटिकल पार्टी में वाइस प्रेसीडेंट क्या पद होता है. बीजेडी को ब्यूरोक्रेटिक पार्टी बोलते हुए सामंतराय ने नवीन बाबू को लिख दिया कि पार्टी को बीजू-नवीन के लॉयल लोगों की जरूरत नहीं रही. पार्टी ने अब एक नई सोच, विचारधारा और कार्यशैली को अपना लिया है जो पार्टी संस्थापक बीजू पटनायक की उस विरासत से अलग है, जिसकी आप नवीन पटनायक मिसाल हैं. सामंतराय उन 10 सीनियर नेताओं में हैं जिन्हें इन द रैंक यानी दर्जे के टैग के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ महासचिव जैसे पदों पर नियुक्त किया गया.चुनाव बाद बीजेडी में अंदरूनी कलह चल रही है. विरोध में बोलने वाले नेताओं पर ताबड़तोड़ एक्शन हो रहे हैं. ऐसे भी नेता हैं जो पार्टी छोड़ रहे हैं. ऐसे ही एक्शन के लपेटे में आ गईं बीजेडी महिला सेल की महासचिव और वोकल नेता श्रीमयी मिश्रा. श्रीमयी मिश्रा महीनों से बीजेडी और वीके पांडियन के खिलाफ लिख रही थीं.

पार्टी के फैसलों पर उठाए सवाल

अब देवाशीष सामंतराय ने खुद बड़ा कदम उठाते हुए पार्टी के सीनियर सिटिजन सेल के वाइस प्रेसीडेंट का पद लेने से मना कर दिया. सामंत राय ने जो कुछ कहा-लिखा सब पांडियन के खिलाफ माना जा रहा है. कहा सम्मान नहीं, अपमान मिला. पद देखकर लगा जैसे सम्मान नहीं, बल्कि जैसे किसी ने उन्हें किनारे कर दिया हो. रीऑर्गनाइजेशन के बहाने उन पुराने लोगों को पीछे धकेला जा रहा है, जिन्होंने सालों तक पार्टी को खड़ा रखा.